वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 269 | शुक्रवार 26 जनवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मोदी संग मैक्रों को भाया जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों रोड शो के दौरान हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन करते हुए।

चाय पर हेरिटेज की चर्चा :मैक्रों ने पूछा- हवामहल में कितनी खिड़कियां, शीशों का रंग नीला क्यों?

जयपुर. कासं। विश्व में बेहतरीन पर्यटन स्थलों में शुमार फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को हमारा गुलाबी शहर भा गया। उन्होंने रोड-शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चाय पर हेरिटेज की चर्चा भी की। जंतर-मंतर से सांगानेरी गेट तक हुए रोड-शो के दौरान परकोटा मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। हवामहल के पास साहू टी-स्टॉल पर दोनों ने कुल्हड़ में चाय पी। प्रधानमंत्री ने मैक्रों को बताया कि कुल्हड़ सबसे ज्यादा एन्वायरनमेंट फ्रेंडली पात्र है। टी-स्टॉल पर मोदी और मैक्रों ने 10 मिनट गुजारे। चाय पीने के बाद पीएम मोदी ने चाय की कीमत पूछी तो टी-स्टॉल मालिक हिमांशु साहू और भतीजे राम ने पैसे लेने से मना कर दिया। इसके बाद पीएम मोदी ने यूपीआई से 2 रुपए भुगतान किया। मैक्रों ने हवामहल के बारे में गाइड से पूछा कि हवामहल में कितनी खिड़कियां और शीशों का रंग नीला क्यों है?

500 में खरीदी राम मंदिर की प्रतिकृति

हवामहल के पास हैंडीक्राफ्ट की दुकान पर डिस्प्ले में रखे अयोध्या में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर के मॉडल को देख मैक्रों ने मोदी से पूछा-यह क्या है? इस पर पीएम मोदी ने बताया-हाल ही में अयोध्या में बने श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति है। 22 जनवरी को ही इस मंदिर में श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा की गई है। मोदी ने श्रीराम मंदिर के प्रतिकृति को 500 रुपए में खरीद अपने मित्र मैक्रों को भेंट कर दी। मोदी ने यहां भी भुगतान यूपीआई से ही किया।

मैक्रों के 2 सवाल; पहले पर गाइड ने बताया-हवामहल में 953 खिड़कियां हैं

चाय और हैंडीक्राफ्ट की दुकान पर खरीदारी करने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हवामहल को निहारा। हवामहल देखते हुए मैक्रों ने गाइड से 2 सवाल भी पूछे। पहला सवाल- हवामहल में कितनी खिड़कियां हैं। इस पर गाइड ने बताया कि 953 खिड़कियां हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में रानियों के लिए ठंडी हवा देने के लिए बनाई गई हैं।

भव्य भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह सानंद संपन्न हुआ

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी महाराज का पावन सानिध्य हुआ प्राप्त

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

दौसा। जयपुर आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग ग्राम भड़ाना जिला दौसा राजस्थान में बनने जा रहा है अभूतपूर्व श्री क्षेत्र गुरु शरणं तीर्थ जिसका शिलान्यास गुरुवार 25 जनवरी को उपाध्याय श्री के मंगल सानिध्य में संपन्न हुआ।मुख्य शिला की स्थापना करने का सौभाग्य भागचंद जैन रेवड़ी वालों को प्राप्त हुआ, समारोह गौरव सुधांशु कासलीवाल रहे। कार्यक्रम का संयोजन ए वी एस फाउंडेशन के द्वारा किया गया अध्यक्ष ताराचंद जैन, महामंत्री सुखानंद काला ने बताया कि समाजसेवी देव प्रकाश खंडाका, विवेक काला, राजकुमार कोठारी, विवेक काला, सुधीर जैन एडवोकेट, मनीष वैद, अनमोल सेठी,यश कमल अजमेरा, जिनेंद्र जैन जीतू, महेश सेठी, सत्येंद्र पांड्या आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

26 जनवरी की पूर्व संध्या पर रंगारंग कार्यक्रम एवं तिरंगा झंडा वितरण महावीर इंटरनेशनल शाखा द्वारा

नौगामा. शाबाश इंडिया

26 जनवरी के पूर्व संध्या पर आज विद्या निकेतन विद्यालय में महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा की ओर से विद्यालय परिसर में महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा के सरक्षक डॉ अजीत गाँधी, शाखा अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी विद्यालय के प्रधानाध्यापक कुलदीप सिंह सीनियर माध्यमिक विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य महिपाल जी पाटीदार पंडित रमेश चंद्रगांधी जीव दया फाउन्डेशन के अध्यक्ष आशीष पंचोरी, वीर नरेश पिंडारमिया के सानिध्य में सर्वप्रथम माँ शारदे की तस्वीर के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का देश भक्ति गीतों के साथ शुभारंभ किया गया इस अवसर पर अमित गॉधी द्वारा देशभक्ति गायन से सबको मंत्र मुक्त कर दिया महावीर इंटरनेशनल केअध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 जनवरी को महावीर इंटरनेशनल की ओर से सभी छात्रों को राष्ट्रीय तिरंगा झंडा प्रदान किया गया।

खंडवा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया

भामाशाह द्वारा 400 बच्चों को भोजन कराया गया

निवाई. शाबाश इंडिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खंडवा मे वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। प्रिंसीपल जगदीश नारायण मीणा एवं सेवानिवृत्त अध्यापक भामाशाह विमल सोगानी, कमल चंद पदम चंद सोगानी ने दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण करके वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत की। प्रिंसिपल जगदीश नारायण मीणा ने बताया कि विधालय परिवार द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के मुख्य अतिथि कमल चंद, विमल कुमार, पदम चंद जैन थे वहीं भामाशाह विमल सोगानी द्वारा 400 बच्चों को भोजन कराया गया। समारोह में नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। समारोह के विशिष्ट अतिथि विमल जौंला पारस बडागांव एवं दिनेश जैन कमल जैन सोगानी रहे। समारोह का मंच संचालन प्रेमचंद गुजर ने किया। इस दौरान पूर्व सरपंच लादूलाल बैरवा वार्ड पंच प्रताप बैरवा भामाशाह रामजीवन चौधरी एस डी एम सी अध्यक्ष कमला देवी मीणा अध्यापक प्रमोद शर्मा इन्द्रा शर्मा संजू जौंला उर्मिला सोगानी राधेश्याम खंगारोत चिरंजीलाल रेगर रामस्वरूप मीणा सन्तोष शर्मा यामीन भाई शिव प्रकाश धीया महेन्द्र सुनारा आदि उपस्थित रहे।

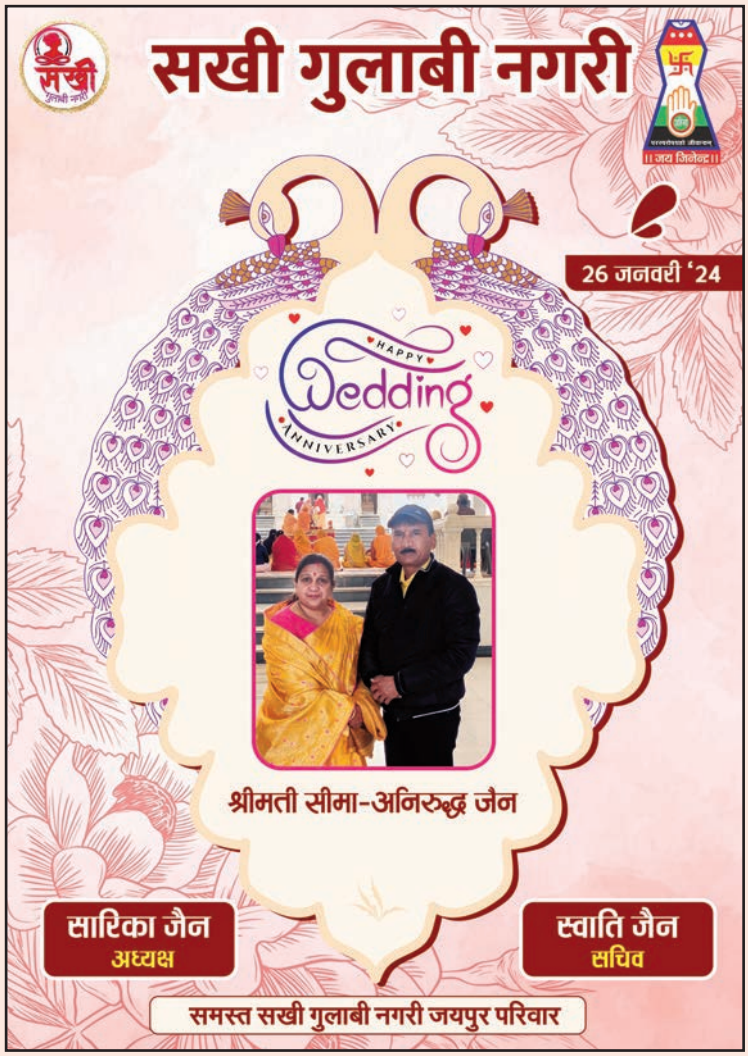

वेद ज्ञान

प्रसन्न रहने के लिए अपनी रुचि के कार्य अवश्य करें

जीवन में वास्तविक प्रसन्नता के लिए हमारी रुचि के कार्यों का होना बहुत आवश्यक है। जब हम लगातार अपनी इच्छा अथंवा रुचि के विरुद्ध कार्य करने को विवश होते हैं तो हमारे अंदर निराशा, जड़ता, उदासीनता, नीरसता व तनाव आदि के भाव व्याप्त हो जाते हैं, जो प्रसन्नता ही नहीं स्वास्थ्य के भी शत्रु हैं। अपने स्वास्थ्य को बचाए रखने व अपनी प्रसन्नता को बनाए रखने के लिए अपनी रुचि के कार्य अवश्य करें। लेकिन जीवन में कई बार अपनी रुचि के कार्य करने का न तो अवसर ही मिलता है और न कोई विकल्प ही होता है। ऐसे में जरूरी है कि हम जो कार्य कर रहे हैं उसके प्रति नकारात्मक भाव न रखकर उसमें अपनी रुचि उत्पन्न करने का प्रयास करें। उसके प्रति अपनी मानसिकता बदलें। उसमें प्रसन्नता के बिंदु खोजें। कोई भी कार्य कितना भी अरुचिकर अथवा नीरस क्यों न हो उसमें भी कुछ रोचकता खोजी जा सकती है। उसे कुछ अलग या नए तरीके से किया जा सकता है। दुनिया में जो विजेता होते हैं वे भी कुछ सर्वथा नया कार्य नहीं करते, अपितु कार्यों को नए ढंग से करके सफलता प्राप्त करते हैं। जब हम किसी नीरस कार्य को भी ध्यान लगा कर पूरे मन से करते हैं तो उसमें हमारी रुचि उत्पन्न होने लगती है। उस कार्य को करना अच्छा लगने लगता है। और जब कार्य रुचिकर हो जाएगा तो उसे करने में हमें आसानी भी होगी और हमारी प्रसन्नता के स्तर में वृद्धि भी। एक बात और भी है और वह यह है कि जब तक हम अपने अनिवार्य कार्यों को चाहे वे कितने भी अरुचिकर क्यों न हों, नहीं निपटा लेते हम समय होने पर भी अपनी पसंद के कार्य करने के लिए तत्पर नहीं हो पाते और वे कार्य मन पर बोझ बने रहते हैं। एक ओर अपने जरूरी कार्यों को न निपटा पाने का बोझ और दूसरी ओर अपने पसंदीदा कार्यों को न कर पाने का मलाल। ऐसे में प्रसन्नता हमसे और अधिक दूर हो जाती है। अरुचिकर अथवा नीरस कार्य को पूरा कर लेने के बाद वैसे भी अतिरिक्त प्रसन्नता की अनुभूति होना स्वाभाविक है। अतः जीवन में भरपूर प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए अरुचिकर कार्यों की उपेक्षा करके उनका ढेर लगाने के बजाय उन्हें समय पर पूरा करके अतिरिक्त प्रसन्नता प्राप्त करें।

संपादकीय

प्रतिरोधी आवाजों का सम्मान करने की अपेक्षा उचित

राजनीतिक यात्राएं पहले भी राजनेता करते रहे हैं, मगर जिस तरह का टकराव भारत जोड़ो न्याय यात्रा और असम सरकार के बीच देखने को मिल रहा है, वैसा शायद कभी नहीं हुआ। हालांकि इसके कयास पहले से लगाए जा रहे थे, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के बीच पहले से तल्ख रिश्ते रहे हैं। यात्रा के असम में प्रवेश करते ही राहुल गांधी ने असम सरकार पर तीखा प्रहार कर दिया। उसे देश की सबसे भ्रष्ट सरकार कह दिया।

उनकी प्रतिक्रिया में हिमंत बिस्व सरमा ने पूरे गांधी परिवार को ही भ्रष्ट करार दे दिया। ऐसी बयानबाजियां दलगत राजनीति में कोई नई बात नहीं हैं। पक्ष और प्रतिपक्ष एक-दूसरे पर, खासकर चुनाव नजदीक आने पर, ऐसे जुबानी हमले करते ही हैं। मगर जैसा कि कांग्रेस का आरोप है, राहुल गांधी की यात्रा में शामिल वाहनों पर पथराव किया गया, उसे शायद ही कोई उचित माने। फिर मुख्यमंत्री खुद इस यात्रा को अनुशासित करने के नाम पर मैदान में उतर आए। उन्होंने कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और लोगों को उकसाने के आरोप में यात्रा में शामिल कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया। उधर असम प्रशासन ने राहुल गांधी को श्रीमंत शंकरदेव के मंदिर जाने से रोक दिया। गुवाहाटी शहर में भी यात्रा को प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई। यह ठीक है कि कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है और अगर उसे लगता है कि किसी यात्रा या राजनीतिक गतिविधि से सामान्य जनजीवन प्रभावित हो सकता, सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता या फिर यात्रियों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है, तो वह उसे रोक सकती है। मगर सवाल यह भी है कि ऐसी यात्राओं के रास्ते अचानक तय नहीं होते, पहले ही प्रशासन से इसकी इजाजत ले ली जाती है, फिर असम सरकार को वहां यात्रा पहुंचने के बाद ऐसे खतरे क्यों समझ आए? इससे यही संदेश गया है कि असम सरकार को यह यात्रा राजनीतिक रूप से रास नहीं आ रही है। राजनीतिक नफे-नुकसान का आकलन हर राजनीतिक दल करता है, इसमें कोई बुराई नहीं। मगर एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों से प्रतिरोधी आवाजों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। जब एक बार न्याय यात्रा का रास्ता तय हो गया था, तो उसे चलने दिया जाता, तब शायद ऐसे विवाद की नौबत न आती। असम के मुख्यमंत्री ने यात्रा के मार्ग में अवरोध खड़े करने की कोशिश करके बेवजह अपने खिलाफ नाराजगी को न्योता दे दिया। हालांकि राहुल गांधी असम सरकार की अड़चनों का भरपूर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं, मगर उनसे भी लोकतांत्रिक मयार्दाएं समझने की अपेक्षा की जाती है। विपक्षी दल का नेता होने के नाते उन्हें सत्ता पक्ष की कमियां गिनाने का हक तो है, मगर सीमा में रहते हुए ही उन्हें बातें बोलनी चाहिए। जैसा कि हिमंत बिस्व सरमा का आरोप है, उनके बयानों से लोगों में उत्तेजना पैदा हो रही है, राहुल गांधी से भाषा और तथ्यों का ध्यान रखने की स्वाभाविक अपेक्षा की जाती है। -राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

म्यांमार सीमा पर बाड़बंदी

केंद्र सरकार म्यांमार सीमा पर लोगों की मुक्त आवाजाही को बंद करेगी और इसकी पूरी तरह से बाड़बंदी करेगी ताकि बांग्लादेश से लगी सीमा की तरह ही इसकी भी सुरक्षा की जा सके। असम पुलिस की पांच नवगठित कमांडो बटालियन के प्रथम बैच की नई दिल्ली में 'पासिंग आउट परेड' को शनिवार को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह बात कही। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही समझौता पर पुनर्विचार कर रही है ताकि मुक्त आवाजाही को रोका जा सके। अभी जो व्यवस्था है, उसके तहत अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना बीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर अंदर तक आने-जाने की अनुमति प्राप्त है। भारत के चार राज्य अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम म्यांमार के साथ सीमा साझा करते हैं, और इन राज्यों की म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा है। दरअसल, पूर्वोत्तर के राज्य ही नहीं, बल्कि भारत की सीमा नेपाल जैसे देशों के साथ भी सीमा पर आवाजाही निर्बाध रहती है। दोनों देशों के लोग एक दूसरे की सीमा में जाकर हाट-बाजार कर आते हैं, और पश्चिम बंगाल में बांग्लादेश के साथ सीमा का तो आलम यहां तक है कि मकानों की दीवार तक सीमा तय करती हैं। ऐसे में अवैध अप्रवासन की समस्या बराबर बनी रहती है, और असम और पश्चिम बंगाल में तो कई विधानसभा क्षेत्रों में तो डमोग्राफिक चरित्र ही बदल चुका है। पूर्वोत्तर में जिस तरह से मणिपुर में खुसपैठियों की समस्या लंबे समय तक अनदेखी रही, उससे आज पूर्वोत्तर के इस राज्य में अराजक हालात हैं। इसलिए जरूरी है कि भारत को अपने तमाम पड़ोसी देशों के साथ लगती सीमाओं पर आम जन की निर्बाध आवाजाही की अनुमति तो सिरे से देनी ही नहीं चाहिए। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और

राजस्थान में पाकिस्तान से लगती सीमा पर तारबंदी किए जाने के अच्छे परिणाम मिले हैं और तारबंदी से सुरक्षा बलों को सीमाओं की निगहबानी करने में खासी मदद मिली है। दरअसल, आज का दौर भू-राजनीतिक दुारियों को बढ़ाने वाला समय है, और सीमाओं पर शिथिलता जैसी लापरवाही न केवल सीमाओं, बल्कि आंतरिक हालात को बिगाड़ देने का सबब बन सकती है। वैसे भाजपा-नीत सरकार में जम्मू-कश्मीर, नक्सली प्रभावित इलाकों और पूर्वोत्तर में हिंसा की घटनाओं में 73 फीसद कमी आई है, और इस सुखद प्रगति के लिए बेशक, मोदी सरकार श्रेय की पात्र है।

गणतंत्र दिवस परेड-2024 फूल ड्रेस रिहर्सल..

राजस्थान की झांकी में विकसित भारत में पधारो म्हारे देश का संदेश...

नई दिल्ली

नई दिल्ली के कर्त्तव्य पथ पर मंगलवार को गणतंत्र दिवस परेड-2024 की फूल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान की झांकी ने विकसित भारत में पधारो म्हारे देश का संदेश देकर दर्शकों को मन मोह लिया। झांकी के दोनों ओर राजस्थान की दस लोक नर्तकियां पारंपरिक घूमर नृत्य कर रही थी। इस वर्ष 26 जनवरी को 75 वें गणतंत्र दिवस परेड-2024 में निकलने वाली झांकियों में राजस्थान की झांकी का अलग ही आकर्षण रहने वाला है। इस झांकी में विकसित भारत में पधारो म्हारे देश की थीम रखी गई है। झांकी के नोडल अधिकारी राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ.रजनीश हर्ष ने बताया कि प्रदेश की कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के मार्ग दर्शन में तैयार की गई यह झांकी राजस्थान की विश्व प्रसिद्ध संस्कृति, स्थापत्य परंपरा और हस्तशिल्प का सुंदर मिश्रण है। झांकी के अग्रभाग में राजस्थान के प्रदेश के सुप्रसिद्ध घूमर नृत्य का मनोहारी दृश्य है। इसमें घूमर करती दस फीट आकार की नर्तकी का मूर्ति शिल्प सभी को आकर्षित करने वाला हैं। चटक रंगो की रंग बिरंगी राजस्थानी वेश-

भूषा में सुसज्जित यह नर्तकी अपने विशेष अंदाज में सभी को पधारों म्हारे देस का संदेश दे रही है। घूमर राजस्थान का पारंपरिक और जग प्रसिद्ध नृत्य है जो कि प्रदेश की महिलाओं द्वारा विभिन्न उत्सवों में किया जाता है। डॉ हर्ष ने बताया कि झांकी के पिछले भाग में भगवान कृष्ण की अनन्य भक्त तथा भक्ति और शक्ति आस्था की प्रतीक मीरा बाई की सुंदर प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके अतिरिक्त राज्य के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प उद्योगों का महिलाओं द्वारा ही संचालन करना और उनके द्वारा निर्मित उत्पादों की सुंदर झलक प्रस्तुत की गई है।

सहस्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य हुआ प्रारंभ

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर साधनारत भारत गौरव गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी की पावन प्रेरणा एवं आशीर्वाद से सहस्त्रकूट जिनालय एवं व्रती आश्रम का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। जयपुर से पधारे हुए भक्तों ने माताजी का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया एवं भूमि की नींव में ताम्र कलश स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए माताजी ने कहां कि - कई बार जिंदगी में समस्या होती ही नहीं है और हम विचारों में उसे इतनी बड़ी बना लेते है कि वह समस्या कभी हल न होने वाली है। सबसे पहले अपने अंतर्मन से सोचकर देखे कि वास्तव में समस्या बड़ी है या छोटी है। तत्पश्चात निर्णय कर समाधान करें। 75 वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण का आयोजन होने जा रहा है।

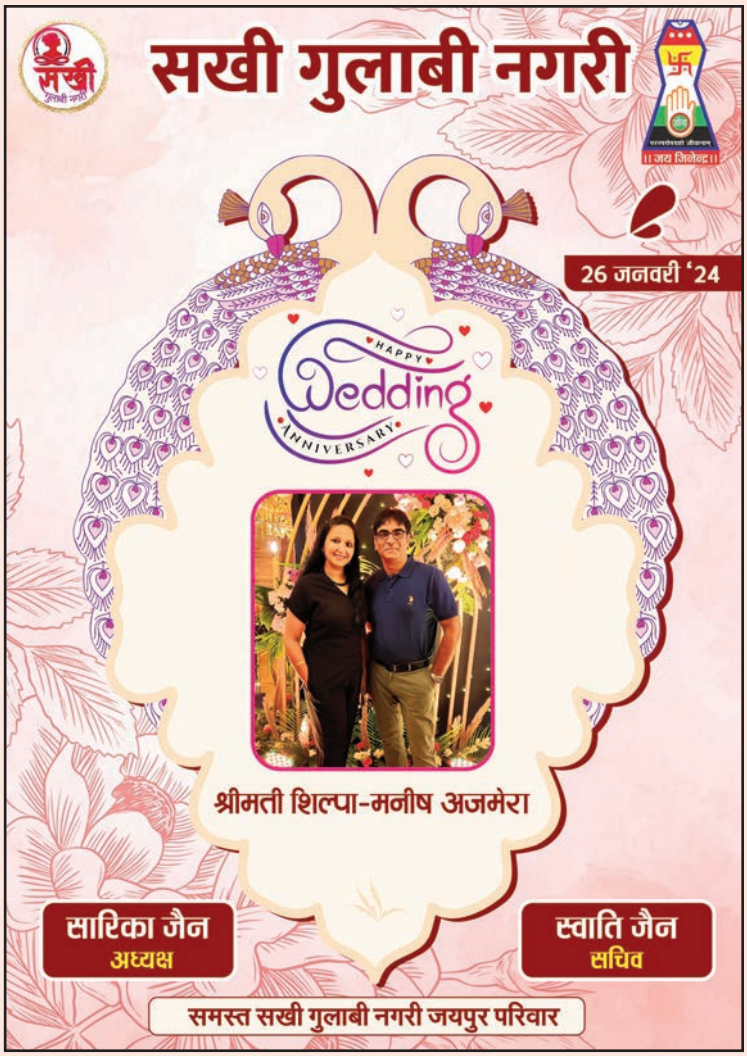

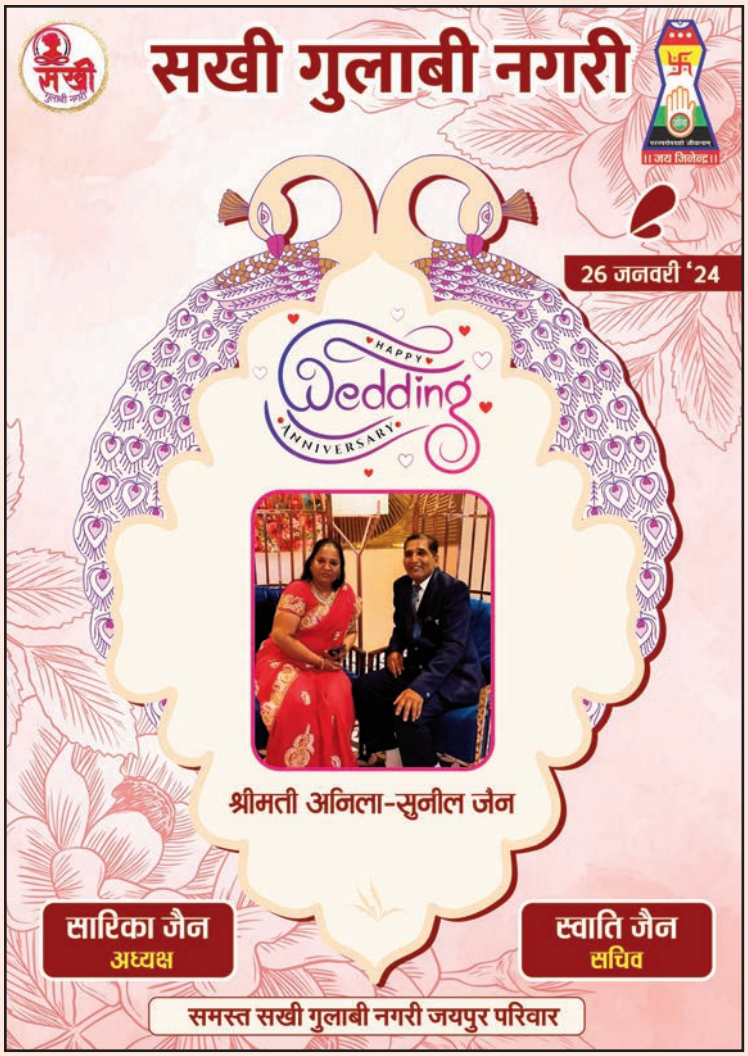

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

गांधी का स्वप्न जब सत्य बना
तभी देश गणतंत्र बना..
याद करे उन वीरों को
जिनकी मेहनत से देश महान बना..!

भारत अपनी पचहत्तर वीं वर्षगांठ की ऐतिहासिक सफलताओं के पावन क्षणों में, अमृत काल के प्रथम गणतंत्र दिवस पर अपने देश की सुख शान्ति, समृद्धि, अहिंसा, सदभाव, प्रेम, मैत्री, भाई चारा, नैतिक, धार्मिक और आध्यात्मिकता के विकास के लिये घर में एक घी का दीप जलायें और ख्याति कीर्ति प्रतिष्ठा के लिए एक ध्वजा लगायें। गणतंत्रता की आराधना के महा महोत्सव में लोक जीवन से लेकर विश्व के कल्याण की संकल्पना का वास है। मानव की एकात्मकता से लेकर, राष्ट्रों की एकता का जीवन्त सन्देश है। राष्ट्र के अभ्युदय से लेकर उसकी प्रोढ़ता की गाथा है। महर्षियों, देवर्षियों से लेकर मनीषियों की वैश्विक मंगल कामनाओं की थाती है। राष्ट्र के लोक मंगल से वैश्विक-शान्ति तक की कामना पूर्ति का आह्वान है। हमारी राष्ट्रीय भावना, राष्ट्रीय चेतना, और राष्ट्रबोध को समझने का सुनहरा अवसर है। आज ऐतिहासिक राष्ट्रीय पर्व पर, सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक -- भारतीय संस्कृति एवं सभ्यताओं की बहुरंगी विविधता और समृद्ध विरासत के संग बहुआयामी, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के पुरूषार्थ की वन्दना और अनुमोदना करने का महान अवसर भी है। विश्व का सातवां बड़ा देश भारत शेष एशिया से अलग है,, इसका गगन चुमती चोटियाँ, करती है प्रशस्ति वादन, पावन-पवित्र मुकुट बन हिमालय गर्वित होता है और सुशोभित होता भाल, सागर इसके चरणों में रहकर निज को करता है पावन, शीतल पवन जीवन दायिनी नदियाँ, कल-कल निनाद करती हुई, जन-जन का पालनहार करते हुये,, गांव, कस्बे और शहर को जोड़ते हुये, करती है पवित्र पावन निर्मल तन को, मन को जोड़ते हुये काश्मीर से कन्याकुमारी, अटक से कटक, भारत के जन के मन को, अन्तर्मन से यह गणतंत्र दिवस प्रतीक है। शक्ति, भक्ति और मुक्ति का देता है बोध। ‡सर्वे सुखिना भवन्तु‡ की लय में तत्पर है समर्पित। अखिल विश्व में शान्ति के जयघोष का कर रहा है शंखनाद। संविधान के प्रवर्तित होने की वर्षगांठ का उत्सव लोकतंत्र की जननी रहा है, जिसने अनगिनत चुनौतियों और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना किया। गरीबी, असमानता और निरक्षरता के विरूद्ध संघर्ष किया, पर आशा और विश्वास के साथ खड़ा रहा अविचलित, विविध पन्थों और बहु भाषाओं एवं बोलियों के बीच जुड़ा रहा हर जन मन से, नेह और समय की कसौटी पर खरा उतरा हर बार। सदियों पुराने भारतीय संविधान ने शान्ति, बन्धुता, और समानता के हमारे मूल्यों को आत्मसात कर एक प्रशस्त चिन्तन धारा का प्रवाह दिया और किया आह्वान आ नो भद्रा क्रतवो यन्तु विश्वतः अर्थात हमारे पास सभी दिशाओं से अच्छे विचार आएं और स्वागत किया हर एक प्रगतिशील विचार का। हमारा संविधान जीवंत है, दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यता के मानवता वादी दर्शन की विरासत से होता है गर्वित, तो आधुनिक विचारों से करता है सभी को अभिभूत। इसमें निहित आदर्शों ने निरन्तर हमारे गणतंत्र को सर्वोदय और अन्त्योदय की राह दिखाई, जिसमें विश्व-मन्च पर एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र के रूप में आज भारत प्रतिष्ठित हुआ है। भारत सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन, आत्मनिर्भर भारत का शंखनाद कर रहा है, शिक्षा-और प्रौद्योगिकी के समन्वय से, जिसकी गूँज अन्तरिक्ष तक सुनाई दे रही है। विकास और पर्यावरण के बीच सन्तुलन बनाए रखने के लिए भारत ने प्राचीन परम्पराओं को नई दृष्टि से देखा है, परम्परागत जीवन मूल्यों के वैज्ञानिक आयामों को समझा और समझाया है। प्रकृति के प्रति सम्मान के भाव को संवृद्ध करते हुये अनन्त ब्रम्हांड के सम्मुख विनम्रता भाव को जाग्रत करने के उदात्त चिन्तन को और धरती पर सुखमय जीवन बिताने के लिये जन जन की जीवन शैली के परिवर्तन की संस्तुति भी की है। इस महान देश की विकास यात्रा में यशस्वी प्रधान मन्त्री महोदय के जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के घोष ने विकास की नई वर्णमाला सृजित की है, जो हर भारत वासी के लिए गौरव का विषय है।

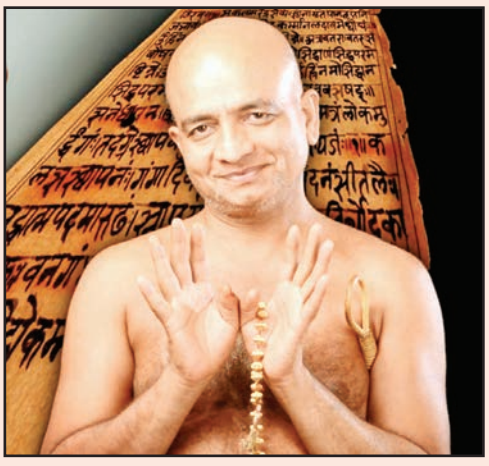

भारत का संविधान सिर्फ एक पोथी नही बल्कि विश्व को देता जीवन्त सन्देश, जीवन की सम्प्रभुता का, भारत के स्वाभिमान का, क्योंकि यह कोटि कोटि जन-गण-मन-सुदिव्य कथ्य है प्रतीक - हमारे महान राष्ट्र की गौरव गाथा का, संगान है हर जन की देश भक्ति का, और अमिट हस्ताक्षर है प्रत्येक जन की भागीदारी का। इस पोथी में बसती है खूशबू खेतों की मिट्टी की, मजदूर के पसीने की, सैनिक के देश भक्ति की, वैज्ञानिकों के पुरूषार्थ की, और द्योतक है प्रेम, अहिंसा, सुख, शान्ति, एकता और अखण्डता के प्रति भारतीय जनमानस के अक्षुण्ण समर्पण और सम्मान की जिससे बन जाती है प्रतीक राष्ट्र की अखण्डता और सम्प्रभुता की। पचहत्तर वें गणतंत्र दिवस को इस बात का भी गौरव सम्प्राप्त है कि भव्य-दिव्य-विज्ञ भारत के निर्माण के प्रतीक राम मन्दिर के लोकार्पण का साक्षी बना। जो देश सिर्फ पूजा स्थल ही नहीं प्रत्युक्त राम के तप, त्याग, संकल्प और समर्पण का लोक प्रतीक बन गया हो, जो सर्व जन हिताय राम राज्य के रूप में भारतीय चेतना का प्रेरणापुंज रहा है। राम मन्दिर भारतीय चेतना के उन्मेष का वह प्रतिष्ठित प्रतीक बना जो पुनर्जागरण और भारतीय अस्मिता को सांस्कृतिक उत्कृष्टता के गौरव शाली विचार से संवृद्ध कर रहा है, तथा जन जन में राम के गुणों की संस्थापना का आह्वान कर, कह रहा है कि अब राम नाम की चादर ओढ़ने से काम नहीं चलेगा बल्कि जीवन परिवर्तन के लिए राम का आचरण धारण करना पड़ेगा। आज के राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर सम्पूर्ण भारतवासियों से आत्मीय निवेदन करना चाहता हूँ - कि एक दीप जलायें - देश के प्रति आस्था, निष्ठा और विश्वास समर्पण का और देश की सुख, शान्ति, समृद्धि, अहिंसा, सदभाव, प्रेम मैत्री, भाई चारा, नैतिक, धार्मिक और आध्यात्मिकता से सिक्त देश की एकता और अखण्डता के सौभाग्य एवं पुरूषार्थ के प्रतीक अपने घर पर एक ध्वजा लगायें,, यही तप साधक अन्तर्मना की अन्तर्मन से भावना एवं अनन्त शुभसंशाओ सहित आशीर्वाद।

पारीक महिला कॉलेज में शिक्षा के महाकुंभ का समापन

सोशल मीडिया संचार का श्रेष्ठ माध्यम : एस एल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

बनीपार्क के एसएसजी पारीक पीजी महिला महाविद्यालय जयपुर में क्रेडेंट टी वी के सहयोग से दो दिवसीय ''जयपुर एजुकेशन समिट - 2024'' शिक्षा के महाकुंभ का समापन बुधवार को हुआ। शिक्षा के इस महाकुंभ में आरयू के वनस्पति विभाग के डॉ. जीपी सिंह व ,एनएसएस एवं प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय जयपुर की जिला समन्वयक डॉ. स्निग्धा शर्मा ने शिरकत की। समापन समारोह प्रबंध कार्यकारिणी के सचिव लक्ष्मीकांत पारीक, समिति सदस्य गौरव पारीक, मुख्य वक्ता महाराजा कॉलेज के प्रिंसिपल, प्रो.एसएन डोलिया, राजस्थान विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एसएल शर्मा, यूनिवर्सिटी फॉर कंप्यूटर साइंस एंड आईटी यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान के डायरेक्टर प्रो. कृष्णा गुप्ता व महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक भी मौजूद रही। अंतिम दिन राजस्थान विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रोफेसर एसएल शर्मा ने सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर बताया कि सोशल मीडिया संचार का श्रेष्ठ माध्यम है जो सूचनाओं के आदान-प्रदान को समाहित करता है और शैक्षणिक प्रदर्शन और समग्र उत्पादकता को प्रभावित करता है किंतु सोशल मीडिया का अधिकाधिक उपयोग विद्यार्थियों में चिंता, अवसाद और अकेलेपन की भावनाओं को भी बढ़ाता है इसीलिए इसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनो पक्षों को ध्यान में रखते हुए उपयोग करें। द्वितीय सत्र में प्रो. कृष्णा गुप्ता ने शिक्षा में वैश्वीकरण विषय पर बताया कि यह दुनिया भर में विद्यार्थियों और शिक्षकों की बढ़ती गतिशीलता और शिक्षकों को अधिक समावेशी होने की आवश्यकता को दशार्ता है, शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने हेतु वैश्वीकरण अति आवश्यक है,वहीं प्रो. एसएन डोलिया ने भविष्य में तकनीकी के बेहतर इस्तेमाल की आवश्यकता को देखते हुए चौट जीपीटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के बारे में बताते हुए इसके नए वर्जन की जानकारी प्रदान की। सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा यह शिक्षा का महाकुंभ अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं संवाद का अत्यंत प्रभावी माध्यम सोशल मीडिया है जिसकी वर्तमान में आवश्यकता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में डॉ. विजय लक्ष्मी पारीक ने शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिक्षा संस्था, विद्यार्थी और शिक्षक के मध्य पुल का कार्य करती है। यह एक सुव्यवस्थित प्लेटफार्म विकसित करती है जो विद्यार्थियों, माता-पिता, संस्थान और प्राधिकृतिकरण के बीच संवाद स्थापित करने में आवश्यक है। यह इस प्रकार की होनी चाहिए कि एक व्यक्ति अपने परिवेश से परिचित हो सके। अंत में प्राचार्य ने सभी आमंत्रित अतिथियों, प्रबंध कार्यकारिणी एवं क्रेडेंट टीवी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर धर्म नाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया हर्षोल्लास से

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय , त्रिमूर्ति जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के पन्द्रहवें तीर्थंकर धर्म नाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम इससे पूर्व श्री का अभिषेक महाशांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक रूप से जयकारों के साथ धर्म नाथ भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव का अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई ,उक्त समय समाज सेवी रामस्वरूप जैन मंडावरा,महावीर कठमाणा,नवरत्न कठमाणा, गोपाल नला, सुरेंद्र पंसारी, पदम बजाज,पवन कागला, कमलेश मंडावरा, मुकेश कलवाड़ा, राकेश कठमाणा, विनोद कठमाणा, बंटी पहाड़िया, मुकेश नला तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय कलाकारों की तीन दिवसीय सामूहिक कला प्रदर्शनी 'जंबल' आज से

टखमन कला दीर्घा में जर्मनी , आष्ट्रेलिया, अमरीका, स्पेन और कनाडा की कलाकृतियां होंगी प्रदर्शित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। आधुनिक कला की विभिन्न विधाओं को साथ लेकर झीलों की नगरी में स्थानीय प्रतिभाशाली पांच परदेसी मेहमान कलाकारों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन शुक्रवार शाम 5 बजे अंबामाता

स्कीम स्थित टखमन कला दीर्घा (चरक हॉस्टल के पास) में शहर के नामचीन कलाकार करेंगे । समन्यक वागाराम ने बताया कि इस प्रदर्शनी में भागीदार सभी कलाकारों ने राजस्थान के फार्म स्टूडियो में कला साधना कर सृजन किया है। ऐसे में स्थानीय कला रसिकों को इस प्रदर्शनी में ग्रामीण कला से आपूरित समसामयिक कला के नए आयाम की बानगी देखने को मिलेगी। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी को शाम 5 बजे जर्मनी के संगीतकार अमांडा बेकर जर्मनी और आष्ट्रेलियाई कलाकार एना सीमोर का लाइव डेमो अलग आकर्षण का केंद्र होगा। गौरतलब है कि इस कला प्रदशनी में अमांडा बेकर (जर्मनी), ऐना सीमोर (आस्ट्रेलिया), मेक्स इस्टरोग (अमेरिका), एना नैन्स (स्पेन) व मोनिक रोमिको (कनाडा) की कल्पनाशीलता कलाकारों सहित आमजन को लुभाएंगी। यह प्रदर्शनी आमजन 28 फरवरी तक रोजाना 10 से शाम 7 बजे तक निशुल्क देख सकते हैं। **रिपोर्ट: फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'**

राकेश-समता गोदिका एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

शरीर में खून की कमी होने के संकेत क्या हैं?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय
राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

शरीर में खून की कमी होने का मुख्य वजह गलत खान-पान है इसके अलावा खून में आयरन यानी लौह तत्व की कमी से भी ब्लड कम होता है इसका नतीजा यह होता है कि हमारा शरीर धीरे- धीरे कई बीमारियों की चपेट में आने लगता है। ज्यादातर लोग स्वादिष्ट खाने को तवज्जो देते हैं जिसमे स्वाद तो भरपूर होता है लेकिन पौष्टिक तत्व नहीं के बराबर होता है जिसकी वजह से अच्छा खाना होते हुए भी हमारे शरीर में खून की कमी होने लगती है।

- होठों एवं नाखूनों का रंग बदल जाता है।
- थोड़ा सा भी चलने पर सांस फूलने लगती है।
- सीने में दर्द होना शुरू हो जाता है।
- नींद अच्छी नहीं आती है आंखों की रोशनी कमजोर होने लगती है और
- आंखों में कई तरह के समस्या होने लगते हैं।
- अक्सर थोड़ा सा भी नसों पर दबाव पड़ने से शरीर या हाथ पैर सुन्न होने लगता है।
- अचानक शरीर का वजन गिरने लगता है।
- इसके साथ ही दिमाग में कई तरह के तनाव उत्पन्न होते हैं और व्यक्ति चिंतित होने लगता है।
- शरीर मे खून की कमी होने पर हाथ पैर ठंडे रहते है।
- तनाव एवं सामान्य से ज्यादा बार बार सिर दर्द होना।
- दिल की धड़कन असामान्य होना।
- कमजोरी महसूस होना।
- शरीर में खून की कमी होने से बाल झड़ने की भी समस्या हो जाती है।

सूचना

शाबाश इंडिया कार्यालय में 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर 26 जनवरी को अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।
-सम्पादक

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

बैंड बाजों के साथ आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागरजी महाराज का श्री महावीर जी में ससंघ भव्य मंगल प्रवेश

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्रीमहावीरजी। गुरुवार को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीर जी मे शाम 6 बजे आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश गाजे-बाजे के साथ शांति वीर नगर मंदिर से कमल मंदिर, पारसनाथ मंदिर होते हुए श्रीमहावीरजी मुख्य मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश किया। मुख्य मंदिर के द्वार पर मंदिर कमेटी के मानद मंत्री सुभाष जैन, कोषाध्यक्ष विवेक काला, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, पीके जैन, शांतिवीर नगर संस्थान के मंत्री राजकुमार कोठारी, मैनेजर नेमीकुमार, प्रवीण कुमार जैन, विशेष अधिकारी विकास कुमार, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अध्यक्ष चंद्रेश कुमार जैन एवं जैन समाज के गणमान्य लोगों ने चरण पखार मंगल आरती उतारी।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा बच्चों को भोजन कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा सुरमन संस्थान के 100 बच्चो को प्रसादम कार्यक्रम के अंतर्गत खाना व मिठाई वितरित की गयी। उक्त कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष ला. रानी पाटनी, आशा जैन व स्नेह लता जैन उपस्थित रही। उक्त कार्यक्रम स्नेह लता जी के सौजन्य से सम्पन्न हुआ।

गिरीश जैन सरखेलिया अध्यक्ष व संजय जैन मंत्री

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर, सेक्टर-7 स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के द्विवार्षिक सम्पन्न हुए। चुनाव में परम संरक्षक पं.विमल कुमार बनेठा, गिरीश कुमार जैन सरखेलिया अध्यक्ष व संजय कुमार जैन शिवदासपुरा को महामंत्री चुना गया। चुनाव संयोजक रामपाल सौगानी ने बताया कि इसके अलावा चुनाव में प्रकाश चंद छाबड़ा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राज कुमार कासलीवाल को उपाध्यक्ष व सुमेर चंद सेठी को कोषाध्यक्ष चुना गया।

पाप गुप्त होता है धर्म और धर्म जगत को दिखा दिखा कर किया जाता है: मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

पंचकल्याणक महोत्सव के बाद गुरु तीर्थ वंदना के लिए किया विहार। आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज भक्ति में आशीर्वाद दे रहे हैं: विजय धुर्रा

कुरावली(मैनपुरी). शाबाश इंडिया

पापी से पापी भी पाप गुप्त रूप से करना चाहता है पाप छिपकर ही किया जाता है और दान, धर्म गुप्त किया ही नहीं जाता धर्म धर्म तो हमेशा उजागर ही किया जाता है दान को हमारे यहां प्रभावना का कारण कहा गया है यदि अनुकूलता बने तो दान को ढिंढोरा पीट कर देना चाहिए ये बात अलग है कि आज दान देने में भी खतरा है क्योंकि सरकारी नीति अच्छी नहीं है सरकार कि नीति इतनी गन्दी है कि लोग कई बार परेशान हो जाते हैं इसलिए कुछ लोग गुप्तदान भी करते हैं ये मजबूरी का दान है उन्होंने कि जिस व्यक्ति को जिस चीज की तकलीफ है वो एक ही भावना शुरू कर दे भगवान जो तकलीफ मुझे है, यह मैंने तो कोई कर्म किया था तो मैं भोग रहा हूँ बस जो तकलीफ मुझे है वह अन्य किसी को न हो। बड़े बड़े डेंजर केस ठीक हुए है बस यह बात अंदर हृदय से आना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज की जन्म स्थली भोगांव सुल्तान गंज में जिज्ञासा समाधान समारोह को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि कुरावली पंच कल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ के बाद प्रभु को उच्च आसन पर विराजमान करने के बाद दोपहर में परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज पूज्य क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज ससंघ ने दोपहर उपरान्त संत शिरोमणि आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की चरण वंदना गुरु तीर्थ वंदना के लिए मंगल विहार कर तिसौती विश्राम कर आज डीआर डी मैरिज होम जी टी रोड सुल्तान गंज जिला मैनपुरी पहुंचे। जहां भक्तो ने अगवानी की वाद में भक्तों की जिज्ञासाओं का परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने समाधान किया। उन्होंने कहा कि काल लब्धि सम्यकदर्शन की प्राप्ति में उदासीन कारण है, जब जीव सम्यकदर्शन प्राप्त करता है तो उस समय मौजूद रहता है। जैसे आप भोजन करते है तो घड़ी भोजन नही करा रही है, आप भोजन करते है तो घड़ी में कुछ न कुछ बज रहा है उन्होंने कहा कि नियम में हमारा प्रमाद सबसे बड़ा कारण है, 99% दोष अपन टालना चाहे तो टाल सकते हैं, सामने वाली वस्तु नहीं कहती है कि राग करो या द्वेष करो, हमारे उपादान में से राग-द्वेष की उत्पत्ति होती है हमारे अपने कारण राग व्देष होते हैं हम ही राग भाव करते हैं मुनि पुगंव ने कहा कि बेगुनाह को कुटते हुए देखकर के अपन को उसको वचाने का प्रयास करना चाहिए उसे हर तरफ से पूरा सहयोग करना चाहिए।

आप सभी क्षेत्रवासियो को 75 वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

January 26 RepublicDay जय हिन्द

कमला चौधरी

सरपंच ग्राम पंचायत भैंसलाना

दिगंबर जैन महासमिति का 12 सदस्यीय दल ने आठ दिन की वियतनाम यात्रा की

जयपुर। दिगंबर जैन महासमिति के 12 सदस्यीय दल ने आठ दिन की अहिंसा व शाहकार के प्रचार प्रसार के उद्देश्य के साथ वियतनाम की यात्रा की। अपनी आठ दिन की यात्रा के दोरान अहिंसा और शाहकार प्रचार प्रसार करने के साथ दर्शनीय स्थानों का अवलोकन किया। इस दल में दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन मृदुला जैन पांड्या,महासमिति के संरक्षक सदस्य न्यायमूर्ति एन के जैन मधुबाला जैन, सुरेश काला नीता काला , इंजिनियर कैलाश जैन मंजु जैन , अनिल जैन कुसुम जैन ,सुरेश सोगानी शशि सोगानी थे ।यात्रा में ह्यूचमिन सिटी , दनांग, और हनोई की यात्रा करते हुए दल वापस जयपुर पहुँचे ।

होम्योपैथी में ''राम''

जयपुर. शाबाश इंडिया। 22 जनवरी को जब पूरा देश राममय हो रहा था,उस समय एक चिकित्सक होम्योपैथिक दवाईयों में अनुसंधान कर रहे थे , व उन्होंने शोध कर एक ऐसी होम्योपैथिक दवा बनाई है जो सभी प्रकार के दर्दों में आराम देगी,चाहे चोट का दर्द हो,या घुटनों का दर्द हो,या वातरोग हो आदि । यह एक लम्बे अनुसंधान का परिणाम है। इस ओषधि को निशुल्क प्राप्त किया जा सकता है । इसके कोम्बीनेशन एवं गुणों के आधार पर इसका नाम ''राम'' रखा गया है।इस औषधी को 30,200,1000 आदि पावर में मरीज की बीमारी के लक्षणों के आधार पर काम में लिया जा सकता है। इस ओषधी का निर्माण अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ होम्योपैथ डां.एम.एल जैन 'मणि' ने किया है,जिन्हें सैंकडों,राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवार्ड अनेको राज्यपालों,प्रधानमंत्री आदि महापुरुषों द्वारा दिये गये हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति भैंरु सिंह जी ने होम्योपैथिक पर बातचीत के लिए बुलाया था। डॉ. ''मणि'' वर्ड की प्रथम विश्वविद्यालय के प्रथम बैच के छात्र रहे हैं। इन्होंने एक लम्बे चिकित्सकीय अनुभव के आधार पर अनेकों होम्योपैथिक दवाईयों का निर्माण किया है। आप लम्बे समय तक इस विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सदस्य रहे हैं,व राजस्थान के होम्योपैथिक महाविद्यालयों में परीक्षक भी रहें हैं तथा राज्य सरकार की होम्योपैथिक कमेटी में भी सदस्य रहे हैं । आप वर्तमान में चन्द्र प्रभू चिकित्सालय, दुर्गापुरा में निशुल्क सेवायें दे रहे हैं।

न्यूटन लर्निंग सेन्टर में मनाया ग्रेण्ड पेरेन्ट्स-डे

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। मंगल न्यूटन सी. सै. स्कूल की प्री-प्राईमेरी विंग न्यूअन लर्निंग सेन्टर-2, ब्रह्मानन्द मार्ग, उदयपुर रोड, ब्यावर के प्रांगण में नन्हें-मुन्हें बच्चों ने अपने दादा-दादी (ग्रेण्ड पेरेन्ट्स-डे) बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर दादा-दादी ने बच्चों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जिसमें अपने बचपन के अनुभवों को अपने पोते-पोतियों के साथ साझा किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या श्रीमती रेशल लिटिल ने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों को दादा-दादी का महत्व बताते हुए कहा कि आज का दिन दादा-दादी को समर्पित है। दादा-दादी हमारी सबसे अच्छे दोस्त होते हैं। एक बच्चे को अच्छा इंसान बनाने तक के सभी पड़ावों में दादा-दादी बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। इन्हीं वाक्यों के साथ सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया। मंगल न्यूटन स्कूल के निदेशक श्री यश मंगल ने सभी उपस्थिति अभिभावकों को अपने नन्हें-मुन्हें बच्चों में भारतीय संस्कृति व संस्कार को सिखाने व अपने अनुभवों को साझा करने पर उनका हार्दिक अभिनन्दन किया।